Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ विनायक चतुर्थी पूजी सामग्री ॥

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ घर की पूजा के लिए सामग्री ॥

विनायक चतुर्थी पर पूजा की सामग्री पहले से तैयार रखने से मध्याह्न में शांति से गणेशजी का पूजन किया जा सकता है। घर की परंपरा और उपलब्धता के अनुसार सामग्री चुनें।

प्रतिमा और पूजा स्थान

गणेशजी की स्वच्छ प्रतिमा या चित्र, चौकी, आसन, साफ कपड़ा और पूजा की थाली रखें। प्रतिमा स्थायी हो तो उसी की पूजा करें। चित्र के सामने जल का प्रतीकात्मक अर्पण करें; चित्र पर जल न डालें।

अर्पण की सामग्री

स्वच्छ जल, दूर्वा, फूल, अक्षत, चंदन या रोली रखें। गणेशजी को दूर्वा अर्पित करने की परंपरा है। दूर्वा साफ हो और आवश्यकता भर ही लें। फूल और अक्षत भी स्वच्छ तथा सहेजकर रखें।

दीप और प्रसाद

दीपक, बाती, तेल या घी, धूप तथा माचिस रखें। मोदक या लड्डू, फल और पीने का जल नैवेद्य के लिए रखें। घर में जो सात्त्विक प्रसाद सहज उपलब्ध हो, वही अर्पित करें।

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ तैयारी और उपयोग का क्रम ॥

पूजा से पहले

सभी वस्तुएँ एक साफ थाली में रखें। जल के लिए छोटा पात्र और प्रसाद के लिए अलग साफ पात्र रखें। दीपक ऐसी जगह रखें जहाँ वस्त्र या सजावट को आग न लगे।

सरल अर्पण

आवाहन और प्रार्थना के बाद जल का प्रतीकात्मक अर्पण करें। चंदन या रोली, अक्षत, फूल और दूर्वा चढ़ाएँ। धूप-दीप दिखाकर मोदक, लड्डू या फल का नैवेद्य रखें।

क्या वैकल्पिक है

पंचामृत, विशेष पुष्प, निश्चित संख्या में दूर्वा या सजावट कुछ परिवारों की रीति हो सकती है। सभी सामग्री हर घर में अनिवार्य नहीं है। स्वच्छ जल, फूल या दूर्वा, दीप और प्रार्थना से भी सरल पूजा की जा सकती है।

पूजा के बाद प्रसाद बाँटें। अर्पित फूल और दूर्वा का उचित निस्तारण करें। भोजन और पानी की बर्बादी से बचें तथा पूजा स्थान साफ रखें।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥